नई खनन नीति का परिणाम है इंडियाज आनेस्ट इंडिपेंडेंस आनर : मुंजाल

जागरण संवाददाता, रुद्रपुर : खनन विभाग को 28 मार्च को मिलने जा रहे बड़े पुरस्कार 'इंडियाज आनेस्ट इंडिपेंडेंस आनर' को लेकर उद्यमी गदगद हैं। कारोबारियों का कहना है कि ई-गर्वेनेंसिंग डिजिटलाइजेशन को लेकर निदेशक राजपाल लेघा ने जो कदम उठाया, उससे सरकारी राजस्व में तो बढ़ोतरी हुई ही है, बंद स्टोन क्रशर भी चालू होने की स्थिति में आ गए हैं।

आरएस ग्रुप आफ कंपनीज के मालिक हरीश मुंजाल ने जारी बयान में कहा कि खनन कारोबार को अभी तक अलग ही दृष्टि से देखा जा रहा था, इस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन निदेशक राजपाल लेघा ने नई खनन नीति अपनाई। उनके इस कदम से खनन विभाग में व्यापक सुधार और पारदर्शी कार्यशैली देखने को मिली है। उन्होंने कहा है कि अब खनन पट्टों की नीलामी ई-आक्शन से की जा रही है।

इससे खनन क्षेत्र में निष्पक्षता और व्यवस्था दोनों मजबूत हुई है। ई-गर्वेनेंसिंग डिजिटलाइजेशन होने से व्यापार में जबरदस्त इजाफा हुआ है और राजस्व ग्रोथ तेजी से बढ़ी है।

मिनरल की सिकुड़ती मार्केट में हुआ बड़ा सुधार

हरीश मुंजाल● जागरण

स्टोन क्रशर एसोसिएशन ने भी बैठक कर कहा कि इन सुधारों से बंद क्रशर भी चालू हो चले हैं। इससे राज्य के सबसे बड़े स्टोन कारोबार को पंख लगे हैं। रायल्टी, फारेस्ट, ट्रांजिट, जीएसटी, आयकर व आरटीओ के जरिये टैक्स के मद में हजारों करोड़ रुपये सरकार को प्राप्त हो रहे हैं। इससे मिनरल की मार्केट जो अभी तक सिकुड़ रही थी, अब सुधर रही है। नदियों से भी निर्धारित मात्रा में ही खनन सामग्री मिल रही है, जो पहले काफी कम हो चुकी थी।